डॉ० अनुजा कुमारी
(इतिहास विभाग)
एस० एन० एस० आर० के० एस कॉलेज
सहरसा

Scanned with CamScanner

और आर्यभट्ट गुप्तकाल के अन्य वैज्ञानिक थे। इतना ही नहीं कलाकारों को भी गुप्त सम्राटों का संरक्षण प्राप्त हुआ। इस काल में मूर्तिकला के कुछ खूबसूरत नमूने भी तैयार हुए। सांस्कृतिक एवं आर्थिक क्षेत्र में भी यह काल काफी प्रगति की। इसी काल में जंगलों को काटकर उसे कृषि योग्य भूमि तैयार की गई। तथा साथ ही साथ सिंचाई की भी समुचित व्यवस्था की गई। इतना ही नहीं बर्तन बनाने की कला, धातुकला, आभूषण कला, सिक्के बनाना, सिलाई, कढ़ाई, पत्थर काटने की कला तथा हाथी दाँत जैसे शिल्पों में उन्नति हुई। इन उद्योगों की उन्नति से समाज को काफी फायदा ही नहीं हुआ बल्कि इन उद्योगों में लगे शिल्पीयों का भी समाज में स्थान ऊँचा हो गया। समाज में इनकी प्रतिष्ठा काफी बढ़ गई इसी काल में श्रीलंका कम्बोडिया, सीरिया, ईरान, अरब चीन आदि के साथ भारत का व्यापारिक संबंध काफी अच्छा था। इन व्यापारों के ~~भी काफी~~ ~~प्रत्यक्ष~~ माध्यम से भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति दक्षिण पूर्वी एशिया तक पहुँचा गई। इसके पहुँचने से व्यापार को भी काफी फायदा हुआ। व्यापार के साथ-साथ वे अपने देश की गरिमामयी सभ्यता और संस्कृति भी लेती हुई यही कारण है कि बौद्ध धर्म शैव धर्म और वैष्णव धर्म ने इस धरती पर अपना अस्तित्व बना लिया। प्रगतिशील उद्योग और खुश हाल

Scanned with CamScanner

व्यापार के चलते देश के आर्थिक जीवन में और भी नई बातों का पादुर्भाव हुआ। व्यापार एवं अन्य तरह के लेन-देन को आसान बनाने के लिए गुप्त राजाओं ने सोना-चाँदी ताम्बा आदि के ~~लिए गुप्त राजाओं~~ सिक्के जारी किये। गुप्त काल में स्थापत्य कला, मूर्तिकला के अतिरिक्त अन्य कलाओं का भी उत्थान हुआ। कला मुख्यतः धर्म से प्रभावित थी स्थापत्य के क्षेत्र में मंदिरों का निर्माण सबसे महत्वपूर्ण है। विभिन्न देवताओं के लिये भव्य मंदिर बनाये गये। इन मंदिरों में तकनीकि एवं निर्माण संबंधी अनेक विशेषताएँ देखी जा सकती है अधिकांशतः मंदिर विष्णु विष्णु भगवान के बने हुए थे। वैसे इस काल में बौद्ध धर्म भी काफी संख्या में थे। इन मंदिरों में तकनीकि एवं निर्माण सम्बन्धी अनेक विशेषताएँ देखी जा सकती है। इस श्रेणी में उदय गिरी का मंदिर जिसमें 12 अवतार की मूर्तियाँ हैं। इसकाल में महावीर एवं अन्य तीर्थंकरों की खड़ी एवं बैठी हुई मुर्तियाँ भी बनी। इसमें सबसे प्रसिद्ध सारनाथ एवं मथुराकी की बौद्ध प्रतिमा तथा सुलतानगंज की ताम्र बौद्ध प्रतिमा है।

गुप्तकाल संस्कृत भाषा एवं साहित्य के वृद्धि कोण से भी अत्यन्त महत्वपूर्ण है संस्कृत में ही धार्मिक ग्रंथों नाटकों एवं प्रशस्तियों की रचना हुई। महाभारत और रामायण का भी अंतिम संकलन यही हुआ। इतना ही नहीं गुप्तकाल

दार्शनिक उपलब्धियों के लिए भी विख्यात है। हिन्दू दर्शन में अनेक ग्रंथों की रचना भी इसी काल में हुई। विज्ञान एवं तकनीकी की विभिन्न गाथाओं का विकास भी इसी काल में हुआ। नागार्जुन धातु विज्ञान और रसायन का विख्यात ज्ञाता था। उन्होंने चिकित्सा का आविष्कार किया तथा बताया कि सोना, चाँदी तथा खनिज पदार्थों के रासायनिक प्रयोगों से रोगों की चिकित्सा हो सकती है। पारा का भी अविष्कार इसी समय में हुआ। आयुर्वेद का सबसे प्रसिद्ध विद्वान धन्वंतरि, गुप्तकाल का दरबारी था। यही कारण है कि वनी ने कहा है कि ⇒

Gupta Period is in the annals of Classical India almost that Periclean ~~annals of~~ age in the history of Greece.

गुप्त वंश का अंतिम शासक स्कन्दगुप्त था। इसका शासन काल राजनीतिक उथल-पुथल से भरा हुआ था। इसके काल का सबसे महत्वपूर्ण अभिलेख भीतरी अभिलेख है जिससे इसके कार्यकलाप पर पुरा प्रभाव पड़ता है। इसके शासन काल की सबसे महत्व-पूर्ण घटना हूण आक्रमण है।

वैसे गुप्त शासक उत्तर-पश्चिम सीमा प्रान्त अपना नियंत्रण स्थापित कर लिया था लेकिन इसकी सुरक्षा की समुचित व्यवस्था नहीं की थी। यही कारण है कि इन्हें हूणों के आक्रमण का शिकार होना पड़ा।

Scanned with CamScanner

इस प्रकार निष्कर्ष के रूप में हम कह सकते हैं कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में गुप्त शासक ने अपूर्व प्रगति की इसी सर्वोमुखी एवं सर्वांगीण उन्नति के कारण गुप्त काल को स्वर्ण युग (Golden age) के नाम से जाना जाता है। जिस प्रकार ग्रीस के इतिहास में पेरिक्लीज युग को स्वर्ण युग के नाम से विभूषित किया गया है उसी प्रकार भारत के इतिहास में गुप्तकाल को स्वर्ण युग के नाम से जाना जाता है, गुप्तकाल, साहित्य, कला, दर्शन राजनीतिक एकता आदि के क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति की बहुत दिनों तक यह काल, भव्यमहल वैभव एवं ऐश्वर्य से परिपूर्ण था। प्रजा खुशहाल थी। लोग आराम एवं विलासिता का जीवन व्यतीत कर रहे थे। अतः यही कारण है कि गुप्त काल को स्वर्ण युग की संज्ञा से विभूषित किया जाता है। प्राचीन भारतीय इतिहास में ही नहीं बल्कि विश्व इतिहास में इसका महत्वपूर्ण स्थान है।

THE

END

Scanned with CamScanner